

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोपी दबोचा
हिंसार। आदमपुर पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सदलपुर निवासी प्रदीप उर्फ दीपू के रूप में हुई है। इस संबंध में इसी क्षेत्र की 25 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार सदलपुर के प्रदीप उर्फ दीपू ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। आरोप है कि आरोपी के भाई नवीन ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर डराने का प्रयास किया। शिकायत पर केस दर्ज करके एसआई आशा ने जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी सिम और किराए के खातों से चल रहा था ठगी का नेटवर्क

सस्ती ड्रेस का लालच देकर ठगने वाला गिरोह पकड़ा

राजस्थान से 3 आरोपी गिरफ्तार, तीन मोबाइल बरामद

हरिभूमि न्यूज़►►हिंसार

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सस्ती ड्रेस, आकर्षक पिक्चर और कैशबैक का लालच देकर हजारों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तीन आरोपियों को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

साइबर थाना प्रभारी कपिल ने बताया कि ऋषि नगर निवासी कमल की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पीड़ित ने

अत्यधिक शराब पीने से गई एक की जान

हिंसार। ऋषि नगर स्थित गली नंबर पांच में किराये के मकान में रहने वाले 35 वर्षीय वैजनाथ की अत्यधिक शराब का सेवन करने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला वैजनाथ अपनी पत्नी विना और चार बच्चों के साथ यहाँ रहता था और अत्यधिक शराब पीने का आदी था। परिवर्जनों के अनुसार, शनिवार सुबह भी वह शराब पीकर आया और कमरे में सो गया। कुछ देर बाद जब परिवार वालों ने उसे सँभाला तो वह मृत अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और नागरिक अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने परिवर्जनों के बयानों के आधार पर इत्फाकिया कार्रवाई की है।

मिशन एडमिशन

बीएससी एग्रीकल्चर में अरनव धवन रहे टॉपर, वेबसाइट पर आज से देख सकेंगे रिजल्ट, ऑनलाइन काउंसलिंग कल से

हरिभूमि न्यूज़►►हिंसार

हरियाणा के कृषि शिक्षा के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल हिंसार स्थित एचएयू ने वर्ष 2026-27 के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम जारी होने के साथ ही हजारों अभ्यर्थियों का इंतजार समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दो अगस्त से अभ्यर्थी अपना परिणाम ऑनलाइन देख सकेंगे, जबकि तीन

एचएयू देगा नई पहचान

- नया आइडिया देगा सुनहरा मौका
- एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने कोहोर्ट-8 के लिए मांगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज़►►हिंसार

खेती-किसानी से जुड़े नए विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने की दिशा में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) एक बार फिर नवाचारकर्ताओं के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है। एबिक ने कोहोर्ट-8 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के तहत चयनित स्टार्टअप्स को 25 लाख रुपये तक की अनुदान सहायता, अनुभवी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनके अभिनव विचार व्यावसायिक सफलता में बदल सकें।



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एबिक केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाला केंद्र नहीं, बल्कि नवाचारों को उद्योग का स्वरूप देने वाला सशक्त प्लेटफॉर्म है। यहां स्टार्टअप्स को विचार की प्रारंभिक अवधारणा से लेकर उत्पाद के व्यावसायीकरण तक हर चरण में सहयोग दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र में तकनीक आधारित नवाचारों की सबसे अधिक आवश्यकता है और युवाओं के पास ऐसे अनेक विचार हैं, जिन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधन मिलें तो वे देश की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं व्यावसायिक मेंटरशिप, एक माह

का निःशुल्क इनक्यूबेशन और उद्यमिता प्रशिक्षण, बिजनेस मॉडल एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में सहयोग, कंपनी पंजीकरण, स्टार्टअप इंडिया एवं स्टार्टअप हरियाणा में पंजीकरण, पेटेंट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी सहायता, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, निवेशकों और उद्योग जगत से नेटवर्किंग तथा राष्ट्रीय प्रदर्शिनियों में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आरकेवीआई-रफ्तार योजना के अंतर्गत पात्र स्टार्टअप्स को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 25 लाख रुपये तक की ग्रांट भी उपलब्ध कराई जाती है।

आज 7 घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

हिंसार। बिजली निगम द्वारा 2 अगस्त को राजगढ़ रोड पर विद्युत कार्य किए जाने के कारण 33 केवी राजगढ़ रोड फीडर, 11 केवी आजाद नगर फीडर तथा 11 केवी गीता कॉलोनी फीडर से सप्लाई होने वाली बिजली प्रातः 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक बंद रहेगी। एरिया इंवांजर्स संदीप ने बताया कि आजाद नगर फीडर पर चलने वाले मोहल्लों में नंद विहार, दिल्ली हॉस्पिटल, रकॉई हॉटल, सवेरा हॉस्पिटल और इसके पीछे का मोहल्ला, अशोक विहार सेठ सौदागर वाले ट्रांसफॉर्मर से लेकर जेल वाले ट्रांसफॉर्मर तक मेन रोड कंटीन्यूट, गली नंबर 3 का कुछ घरिया, गली नंबर 2, आदर्श कॉलोनी गली, नंबर एक, एचटीएम कॉलोनी, जेल के अंदर, गोबल हाई स्कूल, प्रोफेसर कॉलोनी, रणजीत नगर, गली नंबर एक नाले के आसपास, फायर ब्रिगेड, फायर ब्रिगेड के पीछे, साकेत कॉलोनी मे मेन गली में, सीमा स्कूल इसके तक गली नंबर 3, शिव मंदिर के पास बिजली बंद रहेगी। इसके अलावा गीता कॉलोनी फीडर पर चलने वाले मोहल्ले, लीडिंग वाली गली, करण कुंज मोहल्ला, विक्रम किराना स्टोर, धोबी वाले के आसपास का मोहल्ला, फ्रेंड इंक्यू होली गार्ड स्कूल, अग्राम आश्रम, जैव शिव कुमार के घर तक, साकेत कॉलोनी पार्क के आसपास, पटवार भवन, कबीर छात्रावास, विद्या भारती स्कूल, साकेत एक्स्टेंशन, बुद्धिंटग के पास, सलीमगढ़िया वाली गली, गीता कॉलोनी, श्रीराम मंदिर, सवेरार वाला ट्रांसफार्मर के पास करण सिंह आटा चक्की, रविदास धर्मशाला, भागमार आटा चक्की के पास, गीता कॉलोनी, टी पॉइंट नाले के पास उग्रानी वाला ट्रांसफार्मर के आसपास का एरिया शामिल रहेंगे।

कार ने बाइक को पीछे से मारी टक्कर पत्नी की मौत, पति की हालत गंभीर

हांसी-रोहतक रोड पर पिपला पुल के पास हुआ दर्दनाक हादसा

हरिभूमि न्यूज़►►नारनौद

हांसी-रोहतक सड़क मार्ग पर बास क्षेत्र स्थित पिपला पुल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। रोहतक की तरफ से आ रही एक अनियंत्रित कार ने आगे चल रही बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। हादसे के वक्त बाइक पर मौजूद दो मासूम बच्चे बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, झज्जर जिले के गांव दुबलधन माजरा निवासी नवीन अपनी पत्नी 28 वर्षीय टीसा और दो बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर मदनहेड़ी गांव जा रहे थे। जैसे ही वे पिपला पुल के पास पहुंचे, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि नवीन और उनकी पत्नी टीसा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में दोनों बच्चों को खरोंच तक नहीं आई।

पति रोहतक पीजीआई रेफर



कार चालक और उसकी मां भी घायल

बताया जा रहा है कि कार चालक सिसया गांव का रहने वाला है, जो फिलहाल हांसी की रामपुरा कॉलोनी में रहता है। हादसे के वक्त कार में उसकी मां भी सवार थीं। इस दुर्घटना में कार में मौजूद चालक और उसकी मां को भी चोट आई है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामले की जावकरी देते हुए जाँव अधिकारी सब-इंस्पेक्टर अमृत लाल ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

किस्मत बदलेगी ‘दुग्ध क्रांति’

शामलात भूमि पर डेयरी खोल आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं

स्वयं सहायता समूहों को 5 साल की लीज पर मिलेगी 500 वर्ग गज शामलात जमीन

हरिभूमि न्यूज़►►हिंसार

हरियाणा में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने एक मील का पत्थर साबित होने वाला फैसला लिया है। अब गांव की चौपालों और घरों तक सीमित रहने वाली स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य खुद की डेयरी चलाकर उद्यमी बनेंगी। इसके लिए सरकार गांव की शामलात भूमि को 5 साल की लीज पर उपलब्ध कराएगी।

इस योजना के तहत अधिकतम 500 वर्ग गज जमीन स्वयं सहायता समूहों को डेयरी स्थापित करने के लिए दी जाएगी, ताकि वे बड़े पैमाने पर दुग्ध उत्पादन कर अपनी आय में कई गुना बढ़ोतरी कर सकें। सरकार ने योजना को लागू करने के लिए कड़े और स्पष्ट नियम तय किए हैं। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में पंजीकृत और कम से कम 1 वर्ष से सक्रिय स्वयं सहायता समूह ही पात्र होंगे। समूह में कम से कम 10 महिला सदस्य होनी अनिवार्य हैं। बैठकों में न्यूनतम 75 फीसद उपस्थिति और नियमित बचत का रिकॉर्ड होना चाहिए। समूह के सभी सदस्य एक ही गांव के स्थानीय निवासी होने चाहिए। समूह का कोई भी सदस्य किसी बैंक या सरकारी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। समूह के किसी भी सदस्य या उसके परिवार के नाम पर 500 वर्ग गज या उससे अधिक की व्यक्तिगत जमीन नहीं होनी चाहिए। जमीन आवंटन के लिए प्राण सभा की लिखित स्वीकृति बेहद जरूरी होगी।



हिंसार। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से योजना को लेकर जानकारी साझा करते सीईओ सुभाष चंद्र।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में नया अघ्याय

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर महिलाओं के पास हुनर और मेहनत करने की इच्छा तो होती है, लेकिन जगह और संसाधनों की कमी उनके रास्ते का रोड़ा बन जाती है। सरकार के इस कदम से न केवल गांवों में श्वेत क्रांति को नया बल मिलेगा, बल्कि महिलाएं पुरुषों पर निर्भर रहने के बजाय खुद का व्यवसाय चलाकर अपने परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रख सकेंगी।

आधी आबादी की पशुपालन में मुख्य भूमिका : सीईओ

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं का योगदान हमेशा से सर्वोपरि रहा है। प्रदेश सरकार आधी आबादी को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पशुपालन में महिलाओं की मेहनत सबसे ज्यादा होती है, इसी को देखते हुए यह दूरगामी नीति तैयार की गई है। जमीन लीज पर मिलने से महिलाओं को गांव में ही डेयरी के लिए सही जगह मिल जाएगी, जिससे वे सीधे दुग्ध व्यवसाय से जुड़कर आत्मनिर्भर बनेंगी। -सुभाष चंद्र, सीईओ, जिला परिषद, हिंसार

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ▶▶ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ▶▶ मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी क्रमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बढ़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरों की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि फेड मविध्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।



विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्वोरिटीज के क्रमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना ​​है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्वोरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना ​​है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।
■ वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
■ केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
■ गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
■ चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भीतिक मांग।
■ भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
■ इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- ▶▶ एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- ▶▶ पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- ▶▶ यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- ▶▶ फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- ▶▶ अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।



केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगा। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बिजनेस डेस्क

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विदड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाना जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे मविध्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।



एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित हो सकता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ेगा। यथानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

- पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है?
- एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना काटेगा?
- एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा?
- क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें?
- क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना ​​है कि हर व्यक्ति को जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जानी है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

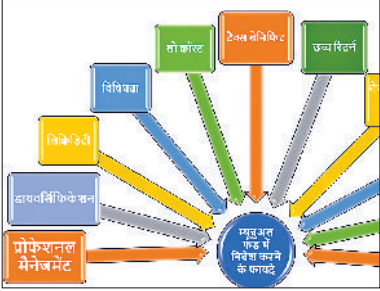
40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना ​​चाहिए। फिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रस्पर्धति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।



कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट विभिन्न जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

फिन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।
● प्लेक्सरी कैप फंड
● मल्टी कैप फंड
● लार्ज कैप फंड
● मिड कैप फंड
● स्मॉल कैप फंड
● डिविडेंड यील्ड फंड
● फोकरस्ड फंड
● बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50-55% लार्ज कैप, 20-25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बहाने एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा
निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचे

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी गलत रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अक्सर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निर्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।
■ एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैयूफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निर्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निर्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।



एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरें, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

खबर संक्षेप

सेहत को लेकर जागरूक करेगा जनसेवार्थ ट्रस्ट

बरवाला। जनसेवार्थ ट्रस्ट की मीटिंग में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से ट्रस्ट के छठे स्थापना दिवस के अवसर पर एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन करने का प्रस्ताव पारित किया। यह जनसेवा अभियान 15 दिनों के लिए 15 अगस्त तक लगातार चलाया जाएगा। इस दौरान 9 अगस्त को ब्लड डोनेशन रक्त का आयोजन किया जाएगा। 1 साथ ही उस दिन हवन का कार्यक्रम भी रहेगा। ट्रस्ट ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे संतुलित आहार लें, रोजाना योग व व्यायाम करें और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना सहयोग दें।

हांसी में नगर परिषद ने चलाई स्वच्छता मुहिम

हांसी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद हांसी ने शनिवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरिन के मार्गदर्शन में वार्ड नंबर 9, 17, 21 और 26 के साथ-साथ हिसार-दिल्ली मुख्य मार्ग पर व्यापक स्तर पर सफाई करवाई गई। अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों ने सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थलों और नालियों की सफाई की। नगर परिषद अधिकारियों ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साइबर ठगी के पीड़ित को 20 हजार वापस दिलवाए

हिसार। साइबर क्राइम थाना ने 'साइबर ठगी के पीड़ित को राहत दिलाते हुए उसके 20 हजार रुपये बरामद करके संप्रदायी के आधार पर वापस दिलवाए हैं। एएसपी मयंक मुद्दगिल ने बताया कि इस संबंध में साइबर थाना में दर्ज शिकायत की जांच करते हुए एएसआई सुरेंद्र सिंह ने आरोपी शिवा वर्मा से 20 हजार रुपये की राशि बरामद की थी। अदालत की अनुमति एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत यह राशि पीड़ित भेरिया निवासी कुलदीप को संप्रदायी के आधार पर वापस सौंप दी।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच का सेमिनार 5 को

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा 5 अगस्त को चैरिटेबल ट्रस्ट, सोसायटी व एनजीओ की कराधान व्यवस्था पर आधारित सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। हिसार के सेक्टर 16-17 के इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित आईसीएआई भवन में यह सेमिनार दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक जारी रहेगा। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि सेमिनार में सीए पवन छिकारा अतिथि वक्ता रहेंगे।

लोटस स्कूल को मिला हरियाणा गौरव पुरस्कार

उकलाना। नगर के लोटस इंटरनेशनल स्कूल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी मुकाम हासिल किया है। राष्ट्रीय शिक्षा समिति द्वारा आयोजित परीक्षा में विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने मैरिट सूची में स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि के चलते विद्यालय को सर्वाधिक मैरिट विजेता एवं सर्वश्रेष्ठ परीक्षा केंद्र के सम्मान के साथ हरियाणा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ब्लैक फिल्म लगी कार का काटा चालान

हिसार। ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एयर पोर्ट चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने ब्लैक फिल्म लगी एक कार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का चालान किया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि वाहनों के शीशों पर अवैध ब्लैक फिल्म लगाना कानून का उल्लंघन है।

गुरु जन्मेश्वर विवि बनाएगा ‘नशा मुक्त भारत’ के संकल्प को जन आंदोलन पीएम के आह्वान पर आज से शुरू होंगे 100 सप्ताह तक चलने वाले अभियान

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में दो अगस्त से प्रारंभ होने वाले ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान’ को प्रभावी एवं जनभागीदारी आधारित बनाने के उद्देश्य से यहां के गुरु जन्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में कुलपति कार्यालय के समिति कक्ष में शनिवार को आयोजित बैठक में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इसे केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनाकर युवा जागरूकता का सशक्त जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। बैठक में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि अभियान

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बैठक में दिए आवश्यक निर्देश



हिसार। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की तैयारियों के बारे में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

का शुभारंभ दो अगस्त को प्रातः 9:30 बजे विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार स्थित सेमिनार हॉल-1 में होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिसे विश्वविद्यालय

कार्यक्रमों की रूपरेखा पर हुई चर्चा

बैठक में छात्र कल्याण अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में एनएसएस, यूथ रेड क्रॉस तथा ड्रग प्रिवेंशन सेल द्वारा तैयार कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अभियान के दौरान विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को सामाजिक संदेश से जोड़ते हुए नुककड़ नाटक, स्ट्रीट प्ले, स्लोगन लेखन, पोस्टर मेकिंग, रंगोली, पेंटिंग, जागरूकता रैलियाँ, संवाद कार्यक्रम और जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

कैलेंडर तैयार कर प्रत्येक सप्ताह प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक युवा नशे के दुष्प्रभावों से परिचित होकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकें।

एलएडीसीएस योजना वापस लेने की मांग तेज : सोमदत्त

हिसार। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन ने लौंगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम (एलएडीसीएस) योजना को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग करते हुए कहा है कि वर्तमान स्वरूप में यह व्यवस्था संविधान की मूल भावना, निष्पक्ष सुनवाई, प्राकृतिक न्याय और अभिव्यक्ति को अपनी पसंद के अधिकारों से बचाव कराने के अधिकार को प्रभावित करती है। यूनियन ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों से इस योजना को व्यापक समीक्षा कर इसे वापस लेने तथा पुरानी विधिक सहायता व्यवस्था को बहाल करने की मांग की है। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के राज्य उपाध्यक्ष सोम दत्त शर्मा और राज्य काउंसिल सदस्य डॉ. अर्जुन सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-21 प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष एवं व्यापक सुनवाई का अधिकार देता है।

‘म्हारी हरी-भरी हांसी’ के तहत पौधरोपण पर जोर

एसडीएम राजेश खोथ ने खुद कूड़ा उठाकर दिया स्वच्छता का संदेश

हांसी। उपमंडल के गांव ढढेरी में शनिवार को आयोजित विशेष सफाई अभियान के दौरान एसडीएम राजेश खोथ ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने अपने हाथों से कूड़ा उठाकर वाहनों में डलवाया और ग्रामीणों के साथ सफाई अभियान में भाग लेकर जनमगीदारी का आह्वान किया। एसडीएम की इस पहल से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी सफाई कार्य में जुट गए। अभियान में पांच ग्राम सचिव, सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, सफाई कर्मचारी तथा ग्रामीणों ने मिलकर गांव की गलियों, चौपाल, सरकारी भवनों, विद्यालयों, मुख्य चौक, फिजली, रामारण वाली सड़क और जोहड़ के आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई की। एकत्रित कूड़े को वाहनों के माध्यम से निर्धारित स्थान पर भिजवाया गया, जिससे गांव का वातावरण स्वच्छ और सुंदर नजर आया। एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता की जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि ‘म्हारी हरी-भरी हांसी’ अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष अभियान के तहत करीब पांच हजार पौधे लगाए गए थे, जिसकी निगरिमत देखभाल भी की जा रही है। इस वर्ष भी विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण का अभियान जारी है। अभियान में सरपंच संदीप मलिक, दीपक बंसल, संदीप यादव, राकेश खोथ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आस्था

भगवान वेंकटेश की निकाली सवारी शोभा यात्रा

तिरुपति धाम में भव्य झूला महोत्सव 16 से, नारायण कीर्तन से तृप्त होंगे श्रद्धालु

■ भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर धाम की परिक्रमा की

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

तिरुपति धाम में दो दिन भगवान वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस शोभा यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने बह्-चदकर हिस्सा लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं को तिरुपति धाम में 16 अगस्त से शुरू होने वाले झूला महोत्सव व श्रीमन नारायण कीर्तन की जानकारी भी साझा की गई। अग्रोहा रोड पर टोल के पास स्थापित तिरुपति धाम में दोनों दिन विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई और नियमानुसार मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश के विग्रह को

रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। उनके साथ ही माता लक्ष्मी व माता भूदेवी के विग्रह भी सुशोभित किए गए। सवारी शोभा यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक रहा। इस दौरान श्रद्धालु जय श्रीमन्नारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष करते रहे। भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर अपनी आस्था जताई और धाम की परिक्रमा की। दोनों दिन शोभा यात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं में गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। तिरुपति धाम में 16 अगस्त को विधि-विधान से भगवान का झूला महोत्सव शुरू किया जाएगा। इसके लिए धाम को रंगीन लड्डियों व लाइट्स से सजाया जाएगा और भगवान के झूले को संसृजित किया जाएगा। इस झूले पर भगवान के विग्रह को शोभायमान करके झूला झूलते हुए दर्शन होंगे।

हिसार। तिरुपति धाम में सवारी शोभा यात्रा में हिस्सा लेते अर्चक व श्रद्धालुगण।

लायंस क्लब हिसार-ए-फिरोजा ने चलाया पौधरोपण अभियान

विधायक रामकुमार गौतम व चेयरमैन रवि सैनी ने भी की शिरकत

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

लायंस क्लब हिसार-ए-फिरोजा की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान का आयोजन सेक्टर 13 के एकता एन्क्लेव पार्किंग में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरियाणा फोरिस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन रवि सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संजय गांधी एवं पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर हरदीप सरकारिया रहे। एमएलए रामकुमार गौतम ने विशेष रूप से उपस्थित होकर अपना आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में रीजन चेयरमैन राजेश पाहवा, जोन चेयरमैन हरीश

हिसार। पौधरोपण करते हुए लायंस क्लब हिसार-ए-फिरोजा के सदस्य।

छाबड़ा, क्लब के अध्यक्ष महेश चौधरी, सचिव सुरेंद्र बजाज, कोषाध्यक्ष राजेश बहार, पीआरओ अशोक मेहता तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन राकेश ठकराल ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं क्लब के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया तथा अधिक से

अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब के पीआरओ चीफ पवन सरदाना, मुकेश बजाज, बीसी गोयल, एचआर नारंग, महेश नारंग, रवींद्र सचदेवा, सुनील कक्कड़, अशोक नागपाल, डॉ. पंकज, अश्विनी नारंग, मनु बजाज, पूनम चौधरी, मधु गोयल मौजूद रहे।

‘एक बूंद सौ सवाल’ पुस्तक का विमोचन

पाठकों के भीतर जल के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाने की पहल

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

हरियाणा निवास में आयोजित एक समारोह में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा एवं डॉ. सरिता शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक एक बूंद, सौ सवाल का लोकार्पण सरकार के सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल के द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. चंद्र त्रिखा, साहित्यकार, शिक्षाविद्, पत्रकार, पर्यावरण प्रेमी तथा विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। समारोह केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल संरक्षण, पर्यावरण, संतुलन और सामाजिक उत्तरदायित्व पर एक गंभीर

न्यूज़ डायरी

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत राजकीय महाविद्यालय मंगाली में हुआ पौधरोपण

हिसार। राजकीय महाविद्यालय, मंगाली में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. अंजु चौधरी के मार्गदर्शन में तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विजेता नेहरा के संयोजन में संपन्न हुआ। इस दौरान परिसर में 150 नवोत्सु पौधों का रोपण किया गया तथा सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा मातृ सम्मान के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप-प्राचार्य डॉ. मीना रानी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।

विधायक विनोद भयाना के जन्मदिवस पर हांसी में लगाया रक्तदान शिविर

हांसी। कुण्डा कोलोन स्थित गांधी विद्या मंदिर स्कूल में शनिवार को विधायक विनोद भयाना के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक विनोद भयाना ने किया। इस दौरान कुल 245 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। आयोजन के संयोजक एवं प्रधान रक्तद अत्री टपटेरी ने बताया कि शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को हेल्थकैं ब्रैट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। स्कूल निदेशक राजकुमार अत्री ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए, जिससे समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत हो। एसडीएम राजेश खोथ ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्र संचालन सतीश वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी विनोद कुमार, डीसीडीब्यूओ ओमप्रकाश, मार्केट कमेटी चेयरमैन दिनेश धवन, पूर्व चेयरमैन राजपाल यादव, विनोद सैनी, नगर निगम हिसार के सचिव संजय शर्मा, डॉ. पवन शर्मा मौजूद रहे।

रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री या मशीन से नहीं किया जा सकता : प्रवीण पोपली

उकलाना। स्वर्गीय अंशुल सरदाना की नैवीय पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में नैवी विशाल स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और अंशुल के मित्रों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान कर उन्हें आभारमयी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हिसार के मेयर प्रवीण पोपली ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी दिवंगत की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित करना सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री या मशीन में नहीं किया जा सकता। जरूरत पड़ने पर केवल एक व्यक्ति का रक्त ही दूसरे व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व मेयर एवं अंशुल सरदाना के पारिवारिक सदस्य गौतम सरदाना, अंशुल सरदाना के पिता देशराज सरदाना, गुलशन आहजूजा, डॉ. शमी नागपाल, महक मुत्तरेजा, पंकज खुराना, हरदीप सिंह, नरेंद्र भयाना आदि उपस्थित रहे।

पुलिस का सख्त ट्रैफिक अभियान, 14 हजार से अधिक वाहनों का काटा चालान

हिसार। सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिला पुलिस ने जुलाई माह में बड़े स्तर पर विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 हजार 10 वाहनों के चालान लगाए गए। पुलिस के अनुसार, शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में पीसीआर, ईआरवी, राइडर तथा थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने प्रमुख मार्गों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और जिले के प्रवेश एवं नििकास मार्गों पर विशेष निगरानी रखी गई। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना और अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना रहा। अपराधियों पर भी कड़ी जा रही है नकेल पुलिस के अनुसार निगरिमत गश्त और नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की जा रही है। इससे चोरी, लूट, वाहन चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम में भी सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। पुलिस का कहना है कि संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाई गई निगरानी से अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। बदा लोगों का भरोसा पुलिस का दावा है कि पीसीआर, ईआरवी, राइडर और थाना पुलिस के बेहतर समन्वय तथा लगातार गश्त के कारण जिले में आमजन के बीच सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। पुलिस टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जुटी हुई हैं।

‘एक बूंद सौ सवाल’ पुस्तक का विमोचन

हिसार। पुस्तक का विमोचन करते सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल व अन्य।

जनसंवाद का रूप ले गया। अपने संबोधन में डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि एक बूंद, सौ सवाल केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि जल के प्रति हमारी सोच को बदलने वाला एक सशक्त दस्तावेज है। 49 अध्यायों में विभाजित यह पुस्तक जल संरक्षण के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पक्षों को अत्यंत

सरल, रोचक एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि जल के प्रति हमारी सोच को बदलने वाला एक सशक्त दस्तावेज है। 49 अध्यायों में विभाजित यह पुस्तक जल संरक्षण के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पक्षों को अत्यंत

फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

ओशो उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन आज
हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 2 अगस्त को प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र में ध्यान की विधियों का महत्व समझाते हुए उनका अभ्यास भी करवाया जाएगा। इस दौरान प्रभु के दिव्य प्रेम पर विस्तार से चर्चा भी की जाएगी। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने बताया कि 2 अगस्त के ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधक हिस्सा लेंगे।

लायंस क्लब शास्त्री पार्क में लगाए 50 पौधे

हिसार। पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को हरित बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब हिसार सिटी की ओर से अर्बन एस्टेट के शास्त्री पार्क में पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान क्लब सदस्यों ने पार्क परिसर में 50 पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब के प्रधान लायन पवन सिंगला, लायन अशोक मदान, दर्शन खुराना आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए सुंदर मॉडल

हिसार। न्यू लाहौरिया विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा सातवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की ओर से भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा उनकी रचनात्मकता को मंच प्रदान करना था। उन्होंने विद्यार्थियों अत्याधुनिक वर्किंग मॉडलों का निरीक्षण निरीक्षण किया।

एड. भीम सिंह की याद में रक्तदान शिविर आज
आदमपुर। मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट द्वारा पंचायत के सहयोग से क्लब के पूर्व सचिव भीम सिंह एडवोकेट की याद में 2 अगस्त को लखी राम धर्मशाला लेंडिज मार्केट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान विनोद वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर अग्रोहा मेडिकल की टीम रक्त संयंत्र करेगी तथा रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले का आरोपी काबू

हिसार। शहर की 12 क्वार्टर चौकी पुलिस ने आठ माह पुराने सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान शहर के न्यू योग नगर निवासी राजेश कुमार के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि आरोपी ने एक मकान पर अवैध कब्जा कर रखा था।

- आरोपी ने अदालत के आदेशों की पालना कराने के लिए जब संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर सरकारी कार्य में बाधा डाली।

आरोपी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट की तथा सरकारी वाहनों के शीशे सहित अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मोटर व स्टार्टर चोरी के मामले में दो गिरफ्तार 22 हजार रुपये बरामद

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना के मुख्य सिपाही रमेश ने मोटर एवं स्टार्टर चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 22 हजार रुपए बरामद किए हैं। अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में सेक्टर 13 निवासी सुभाष की शिकायत पर मोटर एवं स्टार्टर चोरी का मामला दर्ज कर जांच मुख्य सिपाही रमेश को सौंपी गई थी। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सातरोड़ खुर्द निवासी नरेंद्र उर्फ नेगी व विनोद को गिरफ्तार किया। पृछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई मोटर एवं स्टार्टर, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 22 हजार बरामद किए। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर फूटा पीएलए ब्लॉक-2 के लोगों का गुस्सा निगमायुक्त से शिकायत के बाद भी नहीं सुधरे हालात

समाधान न होने पर विधायक से मिलेंगे सेक्टरवासी

हरिभूमि न्यूज ►हिसार

शहर के सेक्टर पीएलए ब्लॉक-2 में मूलभूत सुविधाओं की बढहाल स्थिति पर रजिर्डट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने गहरी नाराजगी जताई है। एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक शहीद साहिल गांधी मेमोरियल पार्क में हुई, जिसमें पार्कों के रखरखाव, सफाई, सीवरेज, पेड़ों की छंटाई और खाली पड़े स्थानों पर उगी झाड़ियों जैसी समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेक्टर में लंबे समय से पार्कों का रखरखाव नहीं हो रहा है।

मोटरसाइकिल चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। एचएयू पुलिस चौकी ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। चौकी प्रभारी पीएसआई पंकज ने बताया कि 27 को शिव कॉलोनी निवासी रेहान खान की शिकायत पर मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने अपनी मोटरसाइकिल महावीर स्टेडियम स्थित पार्किंग में खड़ी की थी, जिसे कोई चोरी कर ले गया। पुलिस टीम ने जांच के दौरान तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर पनिहारी निवासी रवि उर्फ नट को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसको रिमांड लेकर पृछताछ की। आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार की तथा उसकी निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।



हिसार। क्षेत्र में उगी घनी झाड़ियों, जिनसे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। *फोटो: हरिभूमि*

बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को खतरा

आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने बताया कि सेक्टर में प्रस्तावित नर्सरी और धोबी घाट के लिए निर्धारित स्थान अब घनी झाड़ियों ने तब्दील हो चुके हैं। रात के समय इन स्थानों पर सांप सहित अन्य जहरीले जीव दिखाई देते हैं, जिससे स्थानीय लोगों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के संबंध में हुडा प्रशासन और नगर निगम को कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। करीब एक सप्ताह पहले नगर निगम आयुक्त से भी प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया था। निगमायुक्त ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक धरातल पर कोई कार्रवाई दिखाई नहीं दी।

सड़कों के किनारे खड़े पेड़ों की समय पर छंटाई नहीं होने से आवागमन प्रभावित हो रहा है, जबकि पूरे सेक्टर में उगी झाड़ियां मौजूद रहे।

ब्लूमिंग स्कूल में बच्चों ने बोर्ड डेकोरेशन में दिखाई प्रतिभा



हिसार। विजेता विद्यार्थी स्कूल निदेशक सुरेंद्र श्योराण के साथ।

हरिभूमि न्यूज ►हिसार

ब्लूमिंग चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जाखोद खेड़ा में शनिवार को चारों हाउसों के विद्यार्थियों की सहभागिता से बोर्ड डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रत्येक हाउस ने एक महत्वपूर्ण सामाजिक विषय को प्रभावित करने के लिए साप्ताहिक आकर्षक एवं सृजनशील प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति, खेलों का महत्व, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तथा सोशल मीडिया का सदुपयोग जैसे विषयों पर सुंदर बोर्ड तैयार कर समाज को सकारात्मक संदेश

हिसार

आरोपी के कब्जे से नशा तस्करी से प्राप्त 1,000 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ►हांसी

पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 10 किलोग्राम गांजा बरामदगी मामले में सप्तहोयर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नशा तस्करी से प्राप्त 1,000 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मिर्जापुर रोड निवासी मिथुन उर्फ मिट्टल के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एसआई राकेश कुमार ने बताया कि 10 जुलाई 2026 को सीआईए-1 की टीम ने सूचना के आधार पर सिसाय बोलान निवासी विकास उर्फ बोना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस संबंध में थाना सदर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पृछताछ के दौरान विकास ने खुलासा किया कि उसने यह गांजा हिसार के मिर्जापुर रोड निवासी मिथुन उर्फ मिट्टल से खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने मिथुन को मामले में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पृछताछ में मिथुन ने विकास को गांजा सप्लाई करने की बात स्वीकार की और उस स्थान की निशानदेही भी करवाई, जहां

और खराब सफाई व्यवस्था लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।

इसके अलावा सीवरेज व्यवस्था भी कई स्थानों पर बढहाल है। बैठक में ओपी सहरावत, सेवानिवृत्त एसई बीएस बूढ़ा, दलजीत सिंह, ताराचंद गढ़वाल, महेंद्र सिंह, आरके पानू, रामचरूप रावल, श्रवण कुमार सहित बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में मनाया सदानंद महाराज का जन्मोत्सव



हिसार। बगला रोड स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में विद्यालय के संस्थापक परम पूज्य श्री 108 सदानंद महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और विद्यार्थियों ने विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सदानंद महाराज के जीवन, शिक्षाओं और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, सचिव अमित मिश्रा, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता और प्रधानाचार्या नीरू भाटिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सदानंद महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। विद्यालय प्रबंधन के सदस्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने गुरु महाराज के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सदानंद महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक संदेश पर आधारित एक भावपूर्ण नाटक प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने मधुर भजन और भक्तिपूर्ण गीत प्रस्तुत किए। भजनों की स्वर लहरियों से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा। प्रधानाचार्या नीरू भाटिया ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ नैतिक और आध्यात्मिक संस्कार देना भी विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। महापुरुषों और संतों के जीवन से विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, विनम्रता और परोपकार की प्रेरणा मिलती है।

चोरी का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

हांसी। थाना शहर पुलिस ने बंद घर में हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

- चोरी का सामान एसएसआई राजेश कुमार ने व बाइक बरामद

निवासी अशोक की शिकायत पर उनके घर में चोरी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह 26 जुलाई को परिवार सहित घर पर ताला लगाकर बाहर गया था। 28 जुलाई को लौटने पर मुख्य गेट और कमरों के ताले टूटे मिले तथा अलमारी से आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन, पीतल व कांसे के बर्तन सहित अन्य घरेलू सामान चोरी मिला। पुलिस ने जांच करते हुए रामसिंह कालोनी निवासी पवन उर्फ डैम और मुकेश उर्फ मुक्की को गिरफ्तार कर दोनों की निशानदेही पर एक मोबाइल फोन, पीतल के बर्तन, कांसे की थालियां, कांसे का बेला, तांबे का लोटा, तांबे का जग बरामद किया।

आरोपी के कब्जे से नशा तस्करी से प्राप्त 1,000 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ►हांसी

पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 10 किलोग्राम गांजा बरामदगी मामले में सप्तहोयर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नशा तस्करी से प्राप्त 1,000 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मिर्जापुर रोड निवासी मिथुन उर्फ मिट्टल के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एसआई राकेश कुमार ने बताया कि 10 जुलाई 2026 को सीआईए-1 की टीम ने सूचना के आधार पर सिसाय बोलान निवासी विकास उर्फ बोना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस संबंध में थाना सदर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पृछताछ के दौरान विकास ने खुलासा किया कि उसने यह गांजा हिसार के मिर्जापुर रोड निवासी मिथुन उर्फ मिट्टल से खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने मिथुन को मामले में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पृछताछ में मिथुन ने विकास को गांजा सप्लाई करने की बात स्वीकार की और उस स्थान की निशानदेही भी करवाई, जहां

10 किलो गांजा मामले में सप्लायर गिरफ्तार

तीन किलो 285 ग्राम गांजा बरामदगी मामले में एक काबू , रिमांड पर लिया

नारनौद। सीआईए नारनौद पुलिस ने तीन किलो 285 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। आरोपित युवक को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। सीआईए नारनौद में तैनात सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अपराध की रोकथाम एवं गश्त के दौरान नारनौद-मौठ रांगरान सड़क पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि अजीत निवासी गांव मोठ रांगरान अपनी स्पेन्डर प्लस मोटरसाइकिल पर नशीला पदार्थ लेकर आने वाला है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर नाकाबंदी की। तलाशी के दौरान एक युवक के कब्जे से 3 किलो 285 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे को कब्जे में लेकर आरोपित युवक के विरुद्ध थाना नारनौद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित युवक को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड अवधि के दौरान उससे बरामद गांजे के स्रोत, इसे उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति, समिति खरीदारों, सप्लाई चेन तथा इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी।

3.6 किलो ग्राम गांजा बरामद, सप्लायर काबू

हिसार। सदर पुलिस ने 3.6 किलो ग्राम गांजा बरामदगी के मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि गत 15 जुलाई को सीआईए मिलगेट की टीम ने राजगढ़ बाईपास पुल, गांव पीरावाली के पास से न्यूनी कला निवासी कुंदन को गिरफ्तार किया था। आरोपी के कब्जे से 3 किलो 6 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। जांच के दौरान उप निरीक्षक राजबीर सिंह ने गहन जांच, तकनीकी साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस मामले के मुख्य सप्लायर बिहार के सुपौल जिले के राजपुरा निवासी हरेश्वर शाह को गिरफ्तार कर लिया।

उसने गांजा बेचा था। जांच के दौरान उसके कब्जे से 1,000 रुपये की ड्रग मनी बरामद कर पुलिस ने उसे केस में शामिल कर लिया।

मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का मात्र एक घंटे में खुलासा

हिसार। पीएलए पुलिस चौकी की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का मात्र एक घंटे में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद कर लिया है। पीएलए चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अनूप ने बताया कि इस संबंध में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी शुभम ने शिकायत दी थी कि उसकी मोटरसाइकिल टाउन पार्क क्षेत्र से चोरी हो गई है। शिकायत पर तुरंत मामला दर्ज कर पुलिस टीम ने जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र एक घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटेल नगर निवासी अजय उर्फ वासु व संदीप उर्फ ज्ञानी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आरोपी अजय उर्फ वासु के विरुद्ध चोरी एवं स्नेचिंग के तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज पाए गए हैं, वहीं आरोपी संदीप उर्फ ज्ञानी थाना का हिस्ट्रीशीटर है तथा उसके विरुद्ध आम्स एक्ट सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हिंदू स्कूल के खिलाड़ियों का जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जलवा

हरिभूमि न्यूज ►हांसी

सिसाय रोड स्थित हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने हरियाणा जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय के साथ-साथ हांसी का नाम भी रोशन किया है। मसूरपुर में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय की तीनों टीमों ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर खेल प्रतिभा का दम दिखाया। प्रतियोगिता में हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अंडर-17 बॉयज, अंडर-19 बॉयज तथा अंडर-19 गर्ल्स टीमों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए अपने सभी मुकाबलों में प्रभावशाली



हांसी। पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते आयोजन समिति के सदस्य।

प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबलों के बीच जीत दर्ज कर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों वायु, अग्नि, आकाश एवं पृथ्वी सदन के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में आकाश सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम के कक्षा 6 के रक्ष एवं रिद्धि, कक्षा 7 के दीपेंद्र एवं सोनाक्षी तथा कक्षा 8 के रोहित एवं याचिका शामिल रहे। दूसरी ओर आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता भी रोमांच से भरपूर रही। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



हिसार। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में आकाश सदन प्रथम

हिसार। महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल में अंतर-सदन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों वायु, अग्नि, आकाश एवं पृथ्वी सदन के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में आकाश सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम के कक्षा 6 के रक्ष एवं रिद्धि, कक्षा 7 के दीपेंद्र एवं सोनाक्षी तथा कक्षा 8 के रोहित एवं याचिका शामिल रहे। दूसरी ओर आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता भी रोमांच से भरपूर रही। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।



मित्रता दिवस विशेष



सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटेर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको



नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गुगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स

और स्टीव वॉज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने



या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉमिंगटन एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी खाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़ते निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरोल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

न्यू टेंड शैलेंड सिंह

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजी और अम्मुन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस आभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रूचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास

मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक,



लिनकडइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेंटिड और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *



गजल ओम निरघल

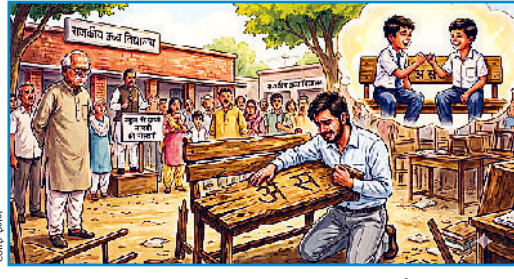
दोस्त के हंसते ही...

मुस्कुराने से अमलतास भी खिल उठता था दोस्त के हंसे ही आकाश भी खिल उठता था उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक उसके ठेके से मधुमास भी खिल उठता था ऐसे मिलता था वो जगलों से हो रिश्ता जैसे पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था उसकी यादों में मुकम्मल-सा जगह है अपना उसके ठेके का अरुसास भी खिल उठता था छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूर्त उसकी जुबिश से नक्काश भी खिल उठता था साथ रखता था वो यूं कांथे पे करीने से उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

लघुकथाएं

पुरानी बेंच

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपस) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठ कर करते थे। अंगुठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भरांप स्वर

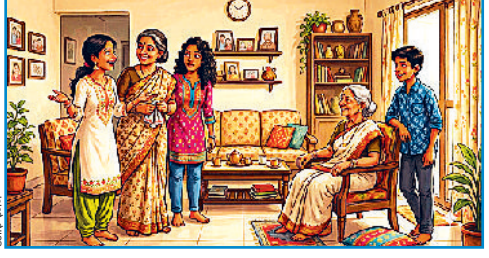


में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

- डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अलहड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दखिल हुई, जैसे कॉलेज कैम्पस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकान। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात



बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन को कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

- डॉ. मोनिका शर्मा

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

संगीत के अनछुए सुर

प्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर



बैचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गुंजती घंटियों के बीच बिरमिल्लाह खां की शहनई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अप्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, लेखक: देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

2 करोड़+ खुश आदम

देश के कोने-कोने का भरोसा

आपके मुँहवाली सभी मेंडिबल स्टोर पर उपलब्ध! Available at: www.mynushroomworld.com Amazon | Flipkart

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.

For Trade Enquiry - +91 888 922 3333



धार्मिक स्थल
शिखर चंद जैन

महादेव के प्रमुख गण नंदी देव की भव्य-अनूठी प्रतिमाएं

शिव आराधना का विशेष पावन माह सावन आरंभ हो चुका है। इस दौरान भक्तगण विशेष तौर पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। शिव के साथ उनके प्रिय गण नंदी महाराज भी पूजे जाते हैं। देश के कई मंदिर ऐसे हैं, जो भव्य नंदी प्रतिमाओं के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थित ऐसे ही कुछ मंदिरों के बारे में बता रहे हैं आपको, जहां नंदी महाराज अपने भव्य स्वरूप में विराजमान हैं।

काले ग्रेनाइट से बनी विशाल प्रतिमा चामुंडी पहाड़ी का नंदी मंदिर, मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में चामुंडी पहाड़ियों में स्थित प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर की चढ़ाई के रास्ते में लगभग 700वीं सीढ़ी पर स्थित यह नंदी प्रतिमा भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इस भव्य प्रतिमा का निर्माण वर्ष 1659 में मैसूर के महाराजा डोड्डा देवराजा वोडेयार के शासनकाल में हुआ था। 16 फीट ऊंची और 24 फीट लंबी यह प्रतिमा पूरी तरह से काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। नंदी के गले में लटकती हुई सुंदर घंटियों की श्रृंखला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस मंदिर में सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दर्शन सुलभ हैं। *

दुनिया की सबसे बड़ी नंदी प्रतिमा महानंदीश्वर स्वामी मंदिर, कर्नूल

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में स्थित महानंदी मंदिर, वास्तुकला का शिखर माना जाता है। चारों ओर नौ नंदी मंदिरों (नवनंदुलु) से घिरे इस क्षेत्र का मुख्य आकर्षण, यहां स्थापित विशाल नंदी देव हैं। इसे दुनिया की सबसे विशाल नंदी प्रतिमा माना जाता है, जो एक ही पत्थर से तराशी गई है। मंदिर के गर्भगृह के ठीक नीचे एक प्राकृतिक औषधीय जल स्रोत कल्याणी है, जहां पूरे साल लगातार पानी बहता रहता है। इस पानी का स्रोत आज तक एक रहस्य है। यहां सुबह 4:45 से रात 8:30 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल बृहदेश्वर मंदिर नंदी, तंजावुर

चोल राजवंश के राजा राजराजा चोल प्रथम द्वारा निर्मित, तमिलनाडु में स्थित यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर का हिस्सा है। यहां मंदिर के ठीक सामने मंडप में एक विशालकाय नंदी स्थापित है। यह प्रतिमा लगभग 12 फीट ऊंची, 19.5 फीट लंबी और इसका वजन करीब 25 टन है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस नंदी प्रतिमा का आकार लगातार बढ़ रहा था। इसे रोकने के लिए प्राचीन शिल्पकारों ने नंदी की पीठ पर एक विशेष कील लगा दी। यहां सुबह 6:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और शाम 4:00 बजे से रात 8:30 बजे तक दर्शन कर सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *



वन संपदा / वीणा गौतम

आपने देश के पूर्वी तट पर स्थित सुंदरवन ऐसा अनोखा वन प्रदेश है, जो कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस वन की विशेषताओं और इससे जुड़ी लोक मान्यताओं पर एक नजर।

लोकआस्था-पारिस्थितिकी का अनोखा संगम है सुंदरवन

महत्वपूर्ण माना जाता है। निहित है प्रकृति सुरक्षा की भावना: सुंदरवन से गुजरने वाली नदियां और घने मैंग्रोव वन इसे, एक रहस्यलोक बनाए हुए हैं। इसी भय से बचने के लिए लोग सुंदरवन की अदृश्य शक्तियों की पूजा करते हैं। स्थानीय लोग सैकड़ों ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि जब भी कोई बिना श्रद्धा या सुंदरवन के नियमों की अवहेलना करते हुए अंदर गया तो वह या तो भटक गया है या जंगली जानवरों का शिकार हो गया। बाघों की मौजूदगी के अलावा सुंदरवन में जहरीले सांप भी निवास करते हैं। बोनबिबी-जहूरनामा नाम का एक लोककाव्य भी है, जिसमें मनुष्य और जंगल के बीच संघर्ष और संतुलन की काव्य कथा है। इस कथा और इस जैसी अनेक कथाओं का सार ही है कि सुंदरवन केवल भौतिक वन नहीं है, यह एक जीवित चेतना का रहस्यगान है। समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र: सुंदरवन का जितना लोकआस्था और प्राकृतिक महत्व है, उससे भी कहीं ज्यादा भारत की समृद्ध पारिस्थितिकी में इसकी भूमिका है। राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यावरण के लिए सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है। हर साल आने वाले भोषण तूफानों और चक्रवातों से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के हजारों लोगों की जान बचाता है तथा करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान को भी रोकता है। यहां के मैंग्रो वन वातावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी हो जाती है। यह वन जैवविविधता का भी केंद्र है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ, दुर्लभ पक्षी, डॉल्फिन और सैकड़ों अन्य जीव प्रजातियां पाई जाती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियां मिलकर यहां एक विशाल डेल्टा बनाती हैं, जिससे यह क्षेत्र जलप्रवाह, मिट्टी और समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। संरक्षण है जरूरी: समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता और मानव अतिक्रमण के कारण सुंदरवन अब कमजोर हो रहा है। इस कमजोरी का असर केवल

आपकी एक और फिल्म 'आवारापन-2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं? मैं 'आवारापन-2' को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अवेंज में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन 'आवारापन-2' में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। 'आवारापन-2' में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया? इस फिल्म में मेरा किरदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म में कई सींस इमोशनल और हार्ट-टचिंग भी हैं। फिल्म की कहानी दिल को छूने वाली है, लिहाजा जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी तो मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। 'आवारापन-2' में इमरान हाशमी के साथ आपकी रोमांटिक जोड़ी है। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? इमरान हाशमी रोमांटिक रोल के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में हमारी जोड़ी नए अंदाज में नजर आएगी। फिल्म में मुझे लीजेंड शबाना आज़मी की के साथ भी काम करने का मौका मिला, जिसकी मुझे बेहद खुशी है। हिंदी फिल्मों के अलावा आप एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं? हां, मैं 'हॉलीवुड फिल्म 'शाली गाडर्स सागा: द पोर्टल ऑफ फोर्स' से इंटरनेशनल डेब्यू कर रही हूं। यह एक सुपर नेचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन ऑस्कर विजेता केविन स्पेसी कर रहे हैं। *



शिल्प कला का अद्भुत चमत्कार लेपाक्षी नंदी (वीरभद्र मंदिर), अनंतपुर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक लेपाक्षी मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर यह अत्यंत सुंदर और विशाल नंदी प्रतिमा स्थित है। ग्रेनाइट की एक ही चट्टान से बनी यह प्रतिमा 15 फीट ऊंची और 27 फीट लंबी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसके गले में उकेरी गई बारीक घंटियां, मालाएं और आभूषण हैं, जो विजयनगर साम्राज्य की उत्कृष्ट शिल्पकला को दर्शाते हैं। माना जाता है कि रामायण काल में जब रावण, माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब जटायु से उसका युद्ध इसी स्थान पर हुआ था। यहां सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *



सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है। हर साल आने वाले भोषण तूफानों और चक्रवातों से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के हजारों लोगों की जान बचाता है तथा करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान को भी रोकता है। यहां के मैंग्रो वन वातावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी हो जाती है। यह वन जैवविविधता का भी केंद्र है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ, दुर्लभ पक्षी, डॉल्फिन और सैकड़ों अन्य जीव प्रजातियां पाई जाती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियां मिलकर यहां एक विशाल डेल्टा बनाती हैं, जिससे यह क्षेत्र जलप्रवाह, मिट्टी और समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। संरक्षण है जरूरी: समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता और मानव अतिक्रमण के कारण सुंदरवन अब कमजोर हो रहा है। इस कमजोरी का असर केवल



आपको भीड़ में खोने का डर नहीं लगा था? सच कहूं तो मैंने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं कि फिल्म में कितने कलाकार हैं। या फिल्म में मेरा रोल कितना है, क्योंकि फिल्म में अक्षय कुमार, जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

अगर मन साफ और नीयत ईमानदार हो तो प्रतिद्वंद्वी या विरोधी को भी दोस्त बनने में देर नहीं लगती। दुनिया की कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की अपने विरोधी से हुई दोस्ती इस बात की मिसाल पेश करती है। इनके बारे में जानना बहुत दिलचस्प है।

जिनसे थे कभी मतभेद उनसे भी हो गई दोस्ती

मिसाल
अनू जैन

वक्त की खूबी यह है कि वह कई बार रिश्तों की परिभाषा बदल देता है। इतिहास गवाह है कि कभी एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे कई दिग्गज बाद में ऐसी दोस्ती के प्रतीक बने, जिसने दुनिया को क्षमा, सम्मान और इंसानियत का नया संदेश दिया। मित्रता दिवस के मौके पर दुनिया की कुछ ऐसे उदाहरण याद करना दिलचस्प होगा जब किसी समय तक परस्पर विरोधी रहे, गहरे दोस्त बन गए।

महात्मा गांधी-जनरल जॉन स्मट्स: महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के जनरल जॉन क्रिश्चियन स्मट्स के बीच का रिश्ता राजनीतिक विरोध और गहरी व्यक्तिगत मित्रता का एक अनूठा उदाहरण है। दक्षिण अफ्रीका में दोनों एक-दूसरे के धुर विरोधी थे, लेकिन बाद में दोनों के मन में एक-दूसरे के प्रति गहरा सम्मान पैदा हो गया। 1906-1914 के दौरान दक्षिण अफ्रीका में

स्टीव जॉब्स-बिल गेट्स: स्टीव जॉब्स (एप्पल के फाउंडर) और बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर) के बीच का रिश्ता प्रतिस्पर्धा, कड़वाहट और अंततः गहरी दोस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण था। 1980 और 1990 के दशक में उनकी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता इतनी गहरी थी कि स्टीव जॉब्स, माइक्रोसॉफ्ट पर अकसर विचार चुराने के आरोप लगाते थे, जबकि बिल गेट्स एप्पल के उत्पादों को नापसंद करते थे। 1997 में जब एप्पल दिवालिया होने की कगार पर था,

नेल्सन मंडेला के साथ क्रिस्टो ब्रैंड

ट्रांसवाल सरकार द्वारा लाए गए 'एशियाई पंजीकरण अधिनियम' के तहत भारतीयों को फिंगरप्रिंट देने और पंजीयन प्रमाण-पत्र साथ रखने के लिए मजबूर किया गया। इस दमनकारी नीति के खिलाफ गांधीजी ने वहां पहला अहिंसक सत्याग्रह शुरू किया। उस समय जनरल स्मट्स ट्रांसवाल के औपनिवेशिक सचिव थे। स्मट्स ने गांधीजी को कई बार जेल भेजा। 1908 में दोनों के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन स्मट्स अपनी बात से मुकर गए। इससे गांधीजी को बहुत निराशा हुई। वर्षों के संघर्ष, जेल जाने और भारतीयों के भारी विरोध के बाद, अंततः जनरल स्मट्स को झुकना पड़ा। 1914 में दोनों के बीच ऐतिहासिक 'गांधी-स्मट्स समझौता' हुआ। संघर्ष के बावजूद, दोनों ने एक-दूसरे के सिद्धांतों और व्यक्तित्व का बहुत सम्मान किया।

नेल्सन मंडेला-क्रिस्टो ब्रैंड: नेल्सन मंडेला और क्रिस्टो ब्रैंड की कहानी रंगभेद के खिलाफ संघर्ष और मानवता की जीत का एक बेहतरीन उदाहरण है। रॉबेन आइलैंड की जेल में, जहां क्रिस्टो जेलर थे, वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी दोनों के बीच एक गहरी और अटूट दोस्ती पनपी। क्रिस्टो ब्रैंड एक युवा श्वेत

स्थानीय लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि समूचे पूर्वी भारत की जलवायु और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। सुंदरवन हमें एक अनूठा संदेश देता है कि आस्था और पारिस्थितिकी एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी हैं। यहां प्रचलित लोककथाएं केवल कल्पना नहीं हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के अपनी तरह के सांस्कृतिक उपक्रम हैं। जब मनुष्य, प्रकृति को देवता मानकर पूजा करता है, तो यह महज अंधविश्वास नहीं होता। इससे वह प्रकृति की महत्ता को समझता है तथा उसे नष्ट होने से बचाता है। सुंदरवन को बचाना केवल हमारी धार्मिक और आध्यात्मिक आस्थाओं को बचाना भर नहीं है बल्कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी है। इसलिए सुंदरवन को बचाए रखने का संकल्प सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के साथ-साथ जीवन की समृद्धि को भी बचाए रखने का भी संकल्प है। *

आपकी एक और फिल्म 'आवारापन-2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं? मैं 'आवारापन-2' को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अवेंज में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन 'आवारापन-2' में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। 'आवारापन-2' में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया?

इसके अलावा मुझे डायेरेक्टर अहमद खान पर विश्वास था कि वह कलाकारों की मेहनत को बर्बाद नहीं होने देंगे। काफी हद तक मेरी सोच सही रही और फिल्म ने सफलता हासिल की। लोगों को फिल्म में मेरा काम भी पसंद आया। 'वेलकम टू द जंगल' में आपने पहली बार कॉमेडी की। कॉमेडी करना, वो भी दिग्गज कलाकारों के साथ किना आसान या मुश्किल रहा? अपने अब तक के करियर में पहली बार इस फिल्म में कॉमेडी करना मेरे लिए सबसे मुश्किल रहा। मैंने अक्षय सर, जानी लीवर सर, अरशद वारसी सर के साथ एक्टिंग करते वक्त कॉमेडी सीखी। इन सभी की कॉमेडी के दौरान टाईमिंग बहुत अच्छी है। बस मैं वहीं देख-देख कर कॉमेडी करने की कोशिश कर रही थी। इसके लिए मैं इन सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उनकी वजह से मैं कॉमेडी कर पाई। अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी जैसे सीनियर एक्टरों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सेट पर पिकनिक जैसा माहौल रहता था, कोई भी अपने आप को सीनियर दिखाने की कोशिश नहीं करता था। सुनील शेट्टी बहुत ही सीधे ईंसान हैं। दूसरी तरफ अक्षय कुमार उतने ही मस्तीखोर हैं। वह सबके साथ ना सिर्फ मस्ती करते रहते थे, बल्कि कोई ना कोई उनके प्रैंक का शिकार भी होता रहता था। 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

आपकी भीड़ में खोने का डर नहीं लगा था? सच कहूं तो मैंने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं कि फिल्म में कितने कलाकार हैं। या फिल्म में मेरा रोल कितना है, क्योंकि फिल्म में अक्षय कुमार, जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।